

आज का रात का आसमान रोज़ बदलता है। कई तारे और ग्रह कभी दिखते हैं, कभी नहीं। कुछ तो अपनी जगहों से ही सरक जाते हैं। चाँद तो इस मामले में बड़ा उस्ताद है। कभी गोल-मोल, कभी फाँक-फाँक। आसमान

# आकर्षक चित्रों से सजे-धजे सौ पन्ने

हमने पकाई है एक डायरी....तुम्हारे लिए!

इसका नाम है - दुबली चींटी सबसे आगे थी...! यह डायरी बहुत ही दोस्ताना स्वभाव की है। तुम्हारे पास आते ही तुमसे बातें करेगी...रोज़-रोज़ तुम्हारे ही पड़ोस की नई-नई चीज़ों से, लोगों से मिलवाएगी। तुम्हारे साथ चाँद-तारे निहारेगी। तुम्हें चित्र बनाने के लिए नए-नए विषय सुझाएगी। कई बातें होंगी जो तुम अब तक किसी को नहीं बताते होगे...तुम इस डायरी से साझा कर सकते हो।

अपनी प्रति आज ही बुक करें

कीमत: 75 रुपए

प्रतियाँ	छूट
10 तक	10 प्रतिशत
25 तक	20 प्रतिशत
50 तक	30 प्रतिशत

पाँच से अधिक प्रतियों का डाक खर्च हम देंगे। पाँच से कम प्रतियों के लिए हर प्रति पर 20 रु. डाक खर्च अतिरिक्त दें। भुगतान एकलव्य के नाम से बने चैक/मनिऑर्डर/ड्राफ्ट द्वारा भेजें। भोपाल के बाहर के चैक में 80.00 रुपए अतिरिक्त जोड़ें।



एकलव्य

ई-10, राकट नगर, बीडीए कॉलेजनी  
दिवानी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.)

फोन - 0755 - 2671017, 2550976

email - chakmak@eklavya.in, pitara@eklavya.in www.eklavya.in